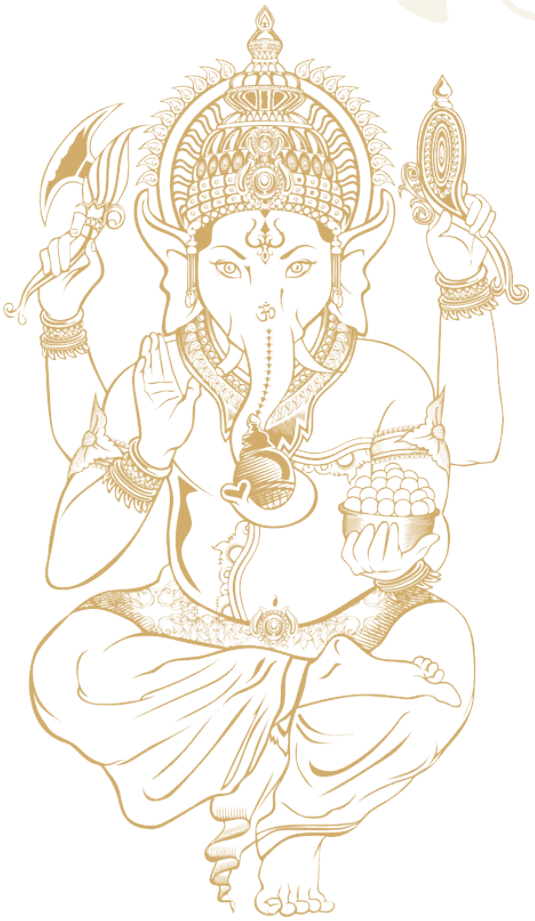

Ms.

15 Apr 2026

11:36 AM

Ahmedabad

Model: web-freekundliweb

Order No: 121939804

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**15/04/2026**
दिन	बुधवार
जन्म समय	**11:36:00 घंटे**
इष्ट	13:11:45 घटी
स्थान	**Ahmedabad**
राज्य	Gujarat
देश	India

अक्षांश	23:03:00 उत्तर
रेखांश	72:40:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:39:20 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	10:56:40 घंटे
वेलान्तर	-00:00:04 घंटे
साम्पातिक काल	00:30:20 घंटे
सूर्योदय	06:19:18 घंटे
सूर्यास्त	18:59:55 घंटे
दिनमान	12:40:37 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	01:03:50 मेष
लग्न के अंश	22:06:07 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीप्ति
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मेष

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	22:06:07	317:55:30	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	---
सूर्य			मेष	01:03:50	00:58:47	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	शुक्र	उच्च राशि
चंद्र			मीन	01:08:33	13:53:31	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	मंगल	सम राशि
मंगल		अ	मीन	10:00:07	00:46:34	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	शुक्र	मित्र राशि
बुध			मीन	05:56:07	01:24:36	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	नीच राशि
गुरु			मिथु	22:45:53	00:06:13	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
शुक्र			मेष	24:54:12	01:13:21	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	सम राशि
शनि		अ	मीन	13:04:30	00:07:15	उ०भाद्रपद	3	26	गुरु	शनि	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	13:52:55	00:02:08	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	13:52:55	00:02:08	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	05:12:26	00:03:02	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	बुध	---
नेप			मीन	08:30:05	00:02:08	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
प्लूटो			मक	11:10:38	00:00:36	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	मंगल	---
दशम भाव			मीन	14:02:03	--	उ०भाद्रपद	--	26	गुरु	शनि	राहु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:33

लग्न-चलित

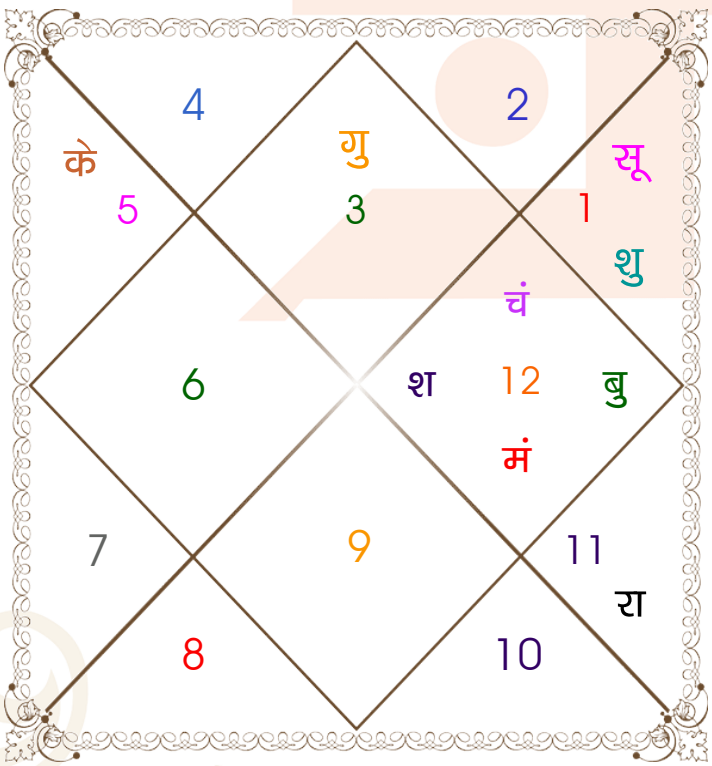

चन्द्र कुंडली

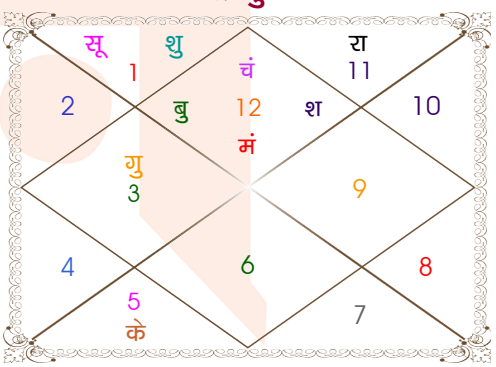

नवमांश कुंडली

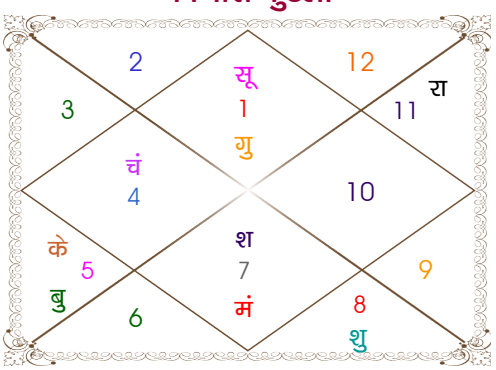

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 2 वर्ष 7 मास 16 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
15/04/2026		30/11/2028		01/12/2047		30/11/2064		01/12/2071	
30/11/2028		01/12/2047		30/11/2064		01/12/2071		01/12/2091	
	00/00/0000	शनि	04/12/2031	बुध	29/04/2050	केतु	28/04/2065	शुक्र	02/04/2075
	00/00/0000	बुध	13/08/2034	केतु	26/04/2051	शुक्र	29/06/2066	सूर्य	01/04/2076
	00/00/0000	केतु	22/09/2035	शुक्र	24/02/2054	सूर्य	03/11/2066	चंद्र	01/12/2077
	00/00/0000	शुक्र	22/11/2038	सूर्य	31/12/2054	चंद्र	04/06/2067	मंगल	31/01/2079
	00/00/0000	सूर्य	04/11/2039	चंद्र	01/06/2056	मंगल	01/11/2067	राहु	30/01/2082
	00/00/0000	चंद्र	04/06/2041	मंगल	29/05/2057	राहु	18/11/2068	गुरु	30/09/2084
	15/04/2026	मंगल	14/07/2042	राहु	16/12/2059	गुरु	25/10/2069	शनि	01/12/2087
मंगल	08/07/2026	राहु	20/05/2045	गुरु	23/03/2062	शनि	04/12/2070	बुध	01/10/2090
राहु	30/11/2028	गुरु	01/12/2047	शनि	30/11/2064	बुध	01/12/2071	केतु	01/12/2091

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
01/12/2091		01/12/2097		02/12/2107		02/12/2114		01/12/2132	
01/12/2097		02/12/2107		02/12/2114		01/12/2132		00/00/0000	
सूर्य	20/03/2092	चंद्र	01/10/2098	मंगल	29/04/2108	राहु	14/08/2117	गुरु	19/01/2135
चंद्र	18/09/2092	मंगल	02/05/2099	राहु	18/05/2109	गुरु	08/01/2120	शनि	02/08/2137
मंगल	24/01/2093	राहु	01/11/2100	गुरु	24/04/2110	शनि	13/11/2122	बुध	08/11/2139
राहु	19/12/2093	गुरु	03/03/2102	शनि	02/06/2111	बुध	02/06/2125	केतु	14/10/2140
गुरु	07/10/2094	शनि	02/10/2103	बुध	30/05/2112	केतु	20/06/2126	शुक्र	15/06/2143
शनि	19/09/2095	बुध	03/03/2105	केतु	26/10/2112	शुक्र	20/06/2129	सूर्य	02/04/2144
बुध	25/07/2096	केतु	02/10/2105	शुक्र	26/12/2113	सूर्य	15/05/2130	चंद्र	02/08/2145
केतु	30/11/2096	शुक्र	02/06/2107	सूर्य	03/05/2114	चंद्र	14/11/2131	मंगल	16/04/2146
शुक्र	01/12/2097	सूर्य	02/12/2107	चंद्र	02/12/2114	मंगल	01/12/2132		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 2 वर्ष 7 मा 4 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म पुनर्वसु नक्षत्र के प्रथम चरण में मिथुन लग्न में हुआ था। मिथुन लग्नोदय के साथ-साथ मेष का नवांश एवं कुंभ का द्रेष्काण भी उदित था। आपके जन्म के प्रभाव से यह सुनिश्चित होता है कि आपका जीवन आरामदायक एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत होगा। मुख्यतः आपके जीवन का स्वर्णीम काल आपकी आयु के पचीसवें वर्ष से प्रारंभ होगा। आपके जन्म की आकृति निःसंदेह रूप से आपके अनुकूल है। परंतु इसका अर्थ यह नही है कि आप पिछली कतार में आबद्ध होकर, सुगमता पूर्वक उपलब्धियां प्राप्त कर लें। अर्थात् कुछ भी प्राप्त करना आसान नही है। आशा की जाती है कि आप जिस वस्तु को प्राप्त करना चाहती हैं उस वस्तु अर्थात् आपकी अपेक्षा का लाभ स्वतः यंत्रवत् प्राप्त कर लेंगी। आप अपने लक्ष्य की प्राप्ति हेतु परिश्रम करना स्थगित कर देंगी तो आपका लक्ष्य असफल हो जाएगा। यदि आप समस्याओं के साथ संघर्ष करेंगी तो निश्चित सफलता मिलेगी।

मिथुन लग्न राशि के प्रभाव से ज्ञात हो रहा है कि आप चंचल बुद्धि की प्राणी हैं। आप जो कुछ भी लाभांश प्राप्त करना चाहती हैं, उसकी प्राप्ति हेतु प्रायः आप अपने काम व्यवसाय को निश्चित रूप से बदल सकती हैं। यदि आप अपने जीवन में सफल होकर उन्नति करना चाहती हैं तो सोच समझ कर प्रस्तुत कार्य-व्यवसाय को पूरा कर लें कार्य करने के लिए कोई बीच का रास्ते बिना निकाले कार्य संपन्न करने की योग्यता आप में विद्यमान है तथा आप ऐसा कर सकती हैं।

आपकी महान संपत्ति आपकी बड़ी अभिलाषाओं की पूर्ति नहीं करेगी। यदि आप में मानवीय गुण का अभाव है। आप कुछ धन या वस्तु प्राप्त कर संतुष्ट हो जाती हो कार्य चाहे छोटा ही क्यों न हो। आप अन्य लोगों के प्रति समर्पित भाव तथा अपनी योजना को सुनिश्चित करने के लिए सहयोगात्मक प्रवृत्ति से युक्त आपकी मनोवृत्ति मिलनसार है तथा आपका जीवन धन एवं प्रसन्नता युक्त रहेगा। आप प्रर्याप्त मात्रा में पर्यटन का सुअवसर प्राप्त करती हो। इस कारण वश आपके नये-नये मित्र बन जाते हैं। वे लोग आपकी सहायता करेंगे।

आपका एक शांतिपूर्ण भवन होगा। जहां निवास कर आप अपने पति एवं संतान के साथ आनंद पूर्वक जीवन बिताएंगी। परंतु आपका परिवार आपके आदान-प्रदान से संबंधित अनुभव करेंगे कि आप अपने जीवन साथी के प्रति किस हद तक समर्पित हैं। अन्य पुरुष के प्रति आपका आकर्षण तथा आप काम वासना के प्रति लुभाने वाली तथा विचलित हो जाने वाली महिला हैं। आपके प्रति विपरीत योनि के लोग आकर्षित हो जाते हैं। क्योंकि आप शारीरिक रूप से स्वस्थ्य तथा आपकी आंखें आकर्षक हैं। बल्कि आप लंबे-सीधे एवं लंबे पैरों से युक्त हैं।

आप अतिशीघ्रता पूर्वक उच्च सफलता के शिखर पर पहुंच सकती हैं यदि आप लेखन कार्य पत्रकारिता अथवा पुस्तक प्रकाशन, ज्योतिषीय कार्य, शिक्षण कार्य अथवा न्यायिक कार्य, अर्थात् वकालत पेशे से संबंधित हो जाएं। आप स्वस्थ्य एवं आनंदित रहेंगी। परंतु आप बवासीर, उदर संबंधित असामान्यता तथा श्वांस नली संबंधित रोग से ग्रसित हो सकती हैं। अतः आप शीघ्रता पूर्वक वैकल्पिक सावधानी बरते।

आपके लिए अनुकूल एवं मनभावन रंग सफेद हैं परंतु यह आपको अनुकूलता प्रदान नहीं करता। आपके लिए पीला, गुलाबी, बैंगनी, नीला एवं हरा रंग अभिष्ट है। आप अपनी मनोवृति को सफेद रंग के प्रति बदल दें तथा लाल एवं काले रंग का पत्यिाग करें।

आपके लिए अनुकूल एवं स्पंदित अंक 7 एवं 3 अंक है परंतु अंक 4 एवं 8 अंक आपके लिए प्रतिकूल हैं।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है।